अधिक बारिश से उत्पन्न स्थिति मे आलू कृषकों को सलाह

1. जिन इलाकों में ज्यादा बारिश हो गई है, वहां खेतों से पानी की निकासी का प्रबंध करें और जल को खेतों में जमा ना रहने दें।
2. गीले खेतो मे आलू के पत्ते ना काटें तथा खुदाई का काम भी रोक दें, मिट्टी सूखने पर ही पत्ते काटने का कार्य करें।
3. भंडारण हेतु रखी जाने वाली फ़सल को दस पंद्रह दिनों बाद पत्ते काटें व पत्ते काटने के दस पंद्रह दिनों के बाद आलू की त्वचा अच्छी तरह से पकने पर ही खुदाई करें।
4. बारिश के कारण, अगले कुछ दिनों मे पिछेता झुलसा बीमारी आने की संभावना बन सकती है, अतः इससे बचाव हेतु स्पर्शनाशी फफूंदनाशक (मैंकोजेब अथवा प्रोपिनेब अथवा क्लोरोथेलोनिल युक्त दवा 0.2-0.25 प्रतिशत अर्थात 2.0-2.5 किलोग्राम दवा 1000 लीटर पानी मे घोलकर) का प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।
5. पिछेती फसल का विशेष रूप ध्यान रखे।